सत्यनारायण आरती

जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा।
सत्यनारायण स्वामी, जन पातक हरणा॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

रत्न जड़ित सिंहासन, अद्भुत छवि राजे।
नारद करत निरंतर, घंटा ध्वनि बाजे॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

प्रकट भये कलि कारण, द्विज को दरस दियो।
बूढ़ा ब्राह्मण बनकर, कंचन महल दियो॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

दुर्बल भील कठारो, जिन पर कृपा करी।
चंद्रचूड़ एक राजा, जिनकी विपति हरी॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

वैश्य मनोरथ पायो, श्रद्धा तज दीन्हीं।
सो फल भोग्यो प्रभुजी, फिर अस्तुति किन्हीं॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

भाव भक्ति के कारण, छिन-छिन रूप धरयो।
श्रद्धा धारण कीन्हीं, जिनको काज सरयो॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

ग्वाल-बाल संग राजा, बन में भक्ति करी।
मनवांछित फल दीन्हों, दीनदयालु हरी॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

चढ़त प्रसाद सवाया, कदली फल मेवा।
धूप दीप तुलसी से, राजी सत्यदेवा॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

लक्ष्मीरमण जी की आरती, जो कोई नर गावे।
ऋद्धि-सिद्धि सुख-संपत्ति, जी भरके पावे॥

जय लक्ष्मी रमणा, स्वामी जय लक्ष्मी रमणा।
सत्यनारायण स्वामी, जन पातक हरणा॥
ॐ जय लक्ष्मी रमणा।

---

[1] सौजन्य से:

धर्मयात्रा **(DharmYaatra)**

वेबसाइट: https://dharmyaatra.in/

व्हाट्सऐप नंबर: +917410957600

नोट: यदि आप वैदिक ज्ञान 🔱, धार्मिक कथाएं 🕉️, मंदिर व ऐतिहासिक स्थल 🛕, भारतीय इतिहास, शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य 🧠, योग व प्राणायाम 🧘‍♂️, घरेलू नुस्खे 🥥, धर्म समाचार 📰, शिक्षा व सुविचार 👣, पर्व व उत्सव 🪔, राशिफल 🌌 तथा सनातन धर्म की अन्य धर्म शाखाएं ☸️ (जैन, बौद्ध व सिख) इत्यादि विषयों के बारे में प्रतिदिन कुछ ना कुछ जानना चाहते हैं तो आपको धर्मयात्रा संस्था के विभिन्न सोशल मीडिया खातों से जुड़ना चाहिए। उनके लिंक हैं:

व्हाट्सएप ग्रुप व्हाट्सएप चैनल

फेसबुक पेज इंस्टाग्राम प्रोफाइल